

संपादकीय

नोटा का सोटा

पांच राज्यों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करने पर एक बात शिद्दत से उभरकर आती है कि जनता का जनप्रतिनिधियों से मोहभंग बढ़ा है। मिजोरम को छोड़ दें तो राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में नोटा में मिले वोटों का प्रतिशत उन राजनीतिक दलों से ज्यादा रहा जो ईरान-तुरान की बातें करके राष्ट्रीय राजनीति में धमाचोकड़ी मचाये रहते हैं। इतना ही नहीं, राजस्थान में वसुंधरा राजे सरकार को हराने का दम भरने वाली कांग्रेस की जीत के अंतर से ज्यादा वोट नोटा को पड़े हैं। जाहिर है नोटा का इस्तेमाल करने वाले मतदाताओं का किसी भी राजनीतिक दल पर भरोसा नहीं है कि वे जीतकर कुछ बदलाव ला सकते हैं। कह सकते हैं कि राजस्थान समेत कई राज्यों में कांग्रेस की वापसी में नोटा ने बड़ी भूमिका निभाई है। राजस्थान का उदाहरण लें तो सरकार बनाने वाली कांग्रेस को 39.3 फीसदी वोट मिले, जबकि हरने वाली भाजपा को 38.8 फीसदी वोट। यानी जीत का अंतर 0.5 फीसदी है। जबकि राजस्थान में नोटा के तहत 1.3 फीसदी वोट पड़े। यानी जहां कांग्रेस को भाजपा से 1.7 लाख वोट ज्यादा मिले, वहीं नोटा के तहत पड़े वोटों का हिस्सा साढ़े चार लाख से अधिक रहा। अन्य राज्यों में भी कमोबेश स्थिति ऐसी ही है।

जहां तक छत्तीसगढ़ का सवाल है तो वहां नोटा के तहत पड़ने वाले वोटों का प्रतिशत सबसे ज्यादा 2.1 फीसदी रहा। इतना ही नहीं, नोटा ने कई चर्चित राजनीतिक दलों को उनकी हैसियत भी बता दी। छत्तीसगढ़ के चुनाव में ताल ठोककर कृदी आम आदमी पार्टी को 0.9 फीसदी, समाजवादी पार्टी व राकांपा को 0.2 फीसदी तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को 0.3 फीसदी ही वोट मिले। इन सबसे ज्यादा दो फीसदी से अधिक वोट नोटा को डाले गये। मध्य प्रदेश में 1.5 फीसदी वोट नोटा के तहत पड़े। यहां दस सीटों में हार-जीत के अंतर से ज्यादा वोट नोटा के तहत डाले गये जो इन निर्वाचित प्रतिनिधियों के निर्वाचन पर सवाल खड़े करते हैं। यहां सपा को एक फीसदी व आम आदमी पार्टी को 0.7 फीसदी वोट ही मिल सके। वहीं तेलंगाना में भी भाजपा व माकपा को 0.4 फीसदी व राकांपा को महज 0.2 फीसदी वोट मिले जबकि नोटा को डेढ़ फीसदी वोट मिले। मिजोरम में जरूर जागरूकता के अभाव में महज 0.5 फीसदी वोट ही नोटा के तहत डाले गये। दरअसल, वर्ष 2013 में सुप्रीमकोर्ट के आदेश के बाद नोटा का बटन ईवीएम में आखिरी विकल्प के रूप में जोड़ा गया था। गुजरात विधानसभा में इसका प्रयोग पहली बार हुआ था। मतदाता कोई योग्य उम्मीदवार न पाने की स्थिति में इस बटन का प्रयोग करता है।

यह जापान में प्रबंधन के विद्यार्थियों को पढ़ाया जाने वाला बहुत पुराना किस्सा है जिसे 'साबुन के खाली डिब्बे का किस्सा' कहते हैं। कई दशक पहले जापान में साबुन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी को अपने एक ग्राहक से यह शिकायत मिली कि उसने साबुन का व्हाल-सैल पैक खरीदा था पर उनमें से एक डिब्बा खाली निकला। कंपनी के अधिकारियों को जांच करने पर यह पता चल गया कि असेम्बली लाइन में हुई किसी गड़बड़ के कारण साबुन के कई डिब्बे भरे जाने से चूक

दिमाग से बड़ा तजुर्बा

गए थे। कंपनी ने एक कुशल मिलकर चलाते और एक नजर गड़ाए देखता रहता ताकि कोई खाली डिब्बा बड़े-बड़े बक्कों में नहीं चला जाए। उन्होंने ऐसी मशीन लगा भी ली पर सब कुछ इतनी तेजी से होता था कि वे भरसक प्रयास करने के बाद भी खाली डिब्बों का पता नहीं लगा पा रहे थे। ऐसे में आदमी मॉनिटर की स्क्रीन पर एक अदना कारीगर ने कंपनी अधिकारियों को असेम्बली



जिसे दो-तीन कारीगर निकलते जा रहे डिब्बों पर

अगर आप रिटायरमेंट के बारे में सोच रहे हैं तो इन गलतियों से बचने की कोशिश करें

नई दिल्ली। रिटायरमेंट के बाद हर आदमी आराम चाहता है। रिटायरमेंट के बाद व्यक्ति के पास काफी सारी समय रहता है। अगर आप रिटायरमेंट के बारे में सोच रहे हैं तो सबसे पहले यह सुनिश्चित कर लें कि पैसे बचाने और निवेश करने में आप कितने सक्षम हैं। आप जितने कम उम्र में बचत के लिए सोचेंगे उतना ही बेहतर होगा। हाल ही में एचएसबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक केवल 33 फीसद कामकाजी भारतीय नियमित रूप से रिटायरमेंट के लिए बचत करते हैं। हम अपनी इस खबर के



माध्यम से आपको 6 ऐसे टिप्स बता रहे हैं जो रिटायरमेंट के बाद आपके काफी

काम आ सकती हैं। अगर आप एक बेहतर प्लान बनाते हैं तो रिटायरमेंट के बाद भी 15 से 20 साल तक आप अच्छे जीवन जी सकते हैं। इसके लिए आपको छह बेसिक गलतियों से बचना होगा।
जल्दी सेविंग की आदत डालें- जितनी जल्दी हो सके अपनी रिटायरमेंट के लिए बचत करना शुरू कर दें। इसके लिए आप 30 या 40 वर्ष की उम्र तक पहुंचने का इंतजार न करें। ऐसा करना बेहतर रहता है।
महंगाई को नजरअंदाज करना-

अक्सर ऐसी सलाह दी जाती है कि बतौर निवेशक हमें वही निवेश योजनाएं चुननी चाहिए जो महंगाई में आपके काम आ सकें।
बचत- हर किसी को छोटी उम्र से बचत की आदत डाल लेनी चाहिए। आपका पैसा कब किस काम आ जाएगा कहां नहीं जा सकता। यह आदत बड़े काम की होती है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको मुश्किल हो सकती है।
न को अपडेट नहीं करना- पहले अपने रिटायरमेंट प्लान को सुनिश्चित करें

कि आप बदलती परिस्थितियों के बाद भी कब रिटायर हो रहे हैं।
सही स्कीम का चुनाव न करना- सरकार और निजी योजनाओं में से सही स्कीम का चुनाव न करना भी आपको नुकसान में ला सकता है। इसलिए आपको सही योजना का चुनाव करना आना चाहिए।
अच्छी योजनाओं में निवेश नहीं करना- अच्छी योजनाओं में निवेश करें ताकि आप रिटायरमेंट के पैसे का सही उपयोग कर सकें। ऐसा करना हमेशा फायदेमंद रहता है।

देश के 10 लाख बैंक मुलाजिम 26 दिसंबर को करेंगे हड़ताल

हैदराबाद (आरएनएस)। तीन सरकारी बैंकों बैंक ऑफ बड़ोदा, देना बैंक और विजया बैंक के विलय के सरकार के मंजूरी के विरोध में 26 दिसंबर को करीब 10 लाख बैंककर्मी इताल पर रहेंगे। नौ प्रमुख बैंक संघों के यूनाटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स ने हड़ताल का आह्वान किया है। एआईबीईए के महासचिव सी वेंकटचलम ने शनिवार को यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि तीनों बैंक के विलय अवांछित है क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था और आम लोगों को कोई लाभ नहीं होने वाला है बल्कि इससे



कर्मचारियों के हित प्रभावित होंगे। कर्मचारियों को नौकरी खतरे में होगी और उनके रोजगार की सुरक्षा नहीं होगी। इससे बैंकों में रोजगार के अवसर भी कम होंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर के बैंक बनाने के लिए विलय का विचार सही नहीं है क्योंकि देश की सभी 21 सरकारी बैंकों का विलय कर दिये जाने के बाद भी

उनकी पूंजी करीब तीन अरब डॉलर होगी जबकि वैश्विक स्तर के बैंकों के पास 70 अरब डॉलर तक की पूंजी है। ऐसी स्थिति में विलय करने से सिर्फ बैंकिंग गतिविधियों के प्रसार में ही कमी नहीं आयेगी बल्कि रोजगार के अवसर भी कम हो जायेंगे।
उन्होंने कहा कि देश में हजारों ऐसे गांव है जहां बैंकिंग सेवा अभी तक पहुंची नहीं है। ऐसी स्थिति में बैंकों के विलय से उनकी शाखायें कम होगी जिसके कारण रोजगार के अवसर भी सृजित नहीं होंगे बल्कि नौकरी कर रहे लोगों के रोजगार की सुरक्षा की खतरे में पड़ जायेंगी।

एयरटेल ने बदल दिया 199 वाला प्लान, अब मिलेगा ज्यादा डेटा

नई दिल्ली (आरएनएस)। टेलिकॉम कंपनियां लगातार अपने प्रीपेड प्लान को अपग्रेड कर रही है। इसके साथ ही जियो को टकर देने के लिए कंपनियां लगातार नए प्लान्स भी लॉन्च कर रही हैं। अब एयरटेल ने अपना 199 रुपये वाला प्लान अपग्रेड कर दिया है। एयरटेल इस प्लान में अब ग्राहकों को पहले से ज्यादा डेटा ऑफर कर रही है। हाल ही में वोडाफोन ने 199 रुपये और 399 रुपये वाले प्लान्स अपग्रेड किए हैं।
बता दें कि एयरटेल का 199 रुपये वाला प्रीपेड रिचार्ज सभी 22 सर्किलों में उपलब्ध है। यह प्लान 28 दिनों की वैधता के



साथ आता है। इस प्लान में अनलिमिटेड लोकल और एसटीडी कॉल की सुविधा बिना एफयूपी मिलती है।
इसके अलावा 100 एसएमएस भी हर रोज मिलते हैं। ग्राहकों को इस प्लान में 1.5 जीबी 2जी/3जी/4जी डेटा हर दिन मिलता है। यानी कुल 42 जीबी डेटा मिलता है। बता दें कि

इससे पहले इस प्लान में 1.4 जीबी डेटा हर दिन मिलता था। 199 रुपये वाले वोडाफोन प्लान की तुलना करें तो इसमें 1.5 जीबी 2जी/3जी/4जी डेटा हर दिन मिलता है। इसके अलावा वोडाफोन का यह प्लान अनलिमिटेड लोकल, एसटीडी कॉलिंग, अनलिमिटेड एसएमएस (100 एसएमएस प्रतिदिन) और अनलिमिटेड रोमिंग जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं। लेकिन वोडाफोन ने आउटगोइंग कॉल्स के लिए एफयूपी लिमिट रखी है। हर दिन कॉल के लिए 250 मिनट्स और हफ्ते में कॉल के लिए 1,000 मिनट्स मिलते हैं।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स 2018 का खिताब जीता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने रविवार को राहत की सांस ली जब वह 2017 की विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा को हराकर विश्व टूर फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में जीत के साथ लंबे समय बाद किसी बड़ी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं। सिंधू ने सीधे गेम में जीत दर्ज की और विश्व टूर फाइनल्स का खिताब



जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। लगातार तीसरी बार सत्रांत फाइनल्स में खेल रही सिंधू को पिछले साल जापान की ही अकाने यामागुची के खिलाफ शिकस्त के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था लेकिन इस बार वह एक घंटे और दो मिनट चले मुकाबले में ओकुहारा को 21-19, 21-17 से हराकर खिताब जीतने में सफल रहीं।

लाइन पर एक बड़ा सा इंडस्ट्रियल पंखा लगाने के लिए कहा। जब फरफराते हुए पंखे के सामने से हर मिनट साबुन के सैंकड़ों डिब्बे गुजरे तो उनमें मौजूद खाली डिब्बा सर्र से उड़कर दूर चला गया। इस तरह सभी की मुश्किलें पल भर में आसान हो गयीं। जीवन में भी हमेशा ऐसे मौके आते हैं जब समस्याओं का समाधान बड़ा ही आसान होता है लेकिन हम कई तरह के कॉम्प्लेक्स उपायों का उपयोग करते रहते हैं, जो हमारी मुश्किलों को सुलझाने के बजाये उन्हें और मुश्किल कर देती हैं।

पर्थ टेस्ट: पहली पारी में भारत 283 पर ऑलआउट, ऑस्ट्रेलिया को मिली 43 रन की लीड

पर्थ (आरएनएस)। कप्तान विराट कोहली (123) के शतक के बावजूद भारतीय क्रिकेट टीम यहां पर्थ स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के साथ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन रविवार को अपनी पहली पारी में 283 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 326 रन बनाए थे और इस लिहाज से उसके पास अब 43 रन की बढ़त है। भारत ने अपने कल के स्कोर तीन विकेट पर 172 रन से आगे खेलना शुरू किया और तीसरे दिन के पहले ही ओवर में उसे पहले ही ओवर में अर्जिंक्य राहणे (51) का विकेट गंवाना पड़ा। राहणे ने 105 गेंदें खेली जिसमें छह चौकों के अलावा एक छक्का लगाया। राहणे के आउट होने के बाद कोहली ने अपने टेस्ट करियर का 25वां शतक पूरा किया। उन्होंने शतक लगाने के बाद हाथ से इशारा किया कि वह नहीं उनका बल्ला बोल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में सचिन तेंदुलकर के छह शतकों के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। लेकिन उनका यह बल्ला ज्यादा देर तक नहीं बोल सका और वह अपने निजी स्कोर में 23 रन और जोड़ने के बाद पैट कमिंस की गेंद पर



पीटर हैडसकोब के हाथों कैच आउट हुए। हालांकि कोहली कैच संदेह के घेरे में था लेकिन थर्ड अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया। कोहली और राहणे के बीच चौथे विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी हुई। कप्तान कोहली ने 257 गेंदों का सामना किया है और जिसमें 13 चौके और एक छक्का लगाया। राहणे के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए हनुमा विहारी ने 20 और मोहम्मद शमी

खाता खोले बिना आउट हुए। शमी के आउट होते ही लंच की घोषणा कर दी गई। भारत ने तीसरे दिन के पहले सेशन में 80 रन बनाए लेकिन चार विकेट भी गंवाए।
लंच के बाद बल्लेबाजी करने आए ईशांत शर्मा केवल एक रन ही बनाकर चलते बने। वह आठवें बल्लेबाज के रूप में विकेट टीम के 254 के स्कोर पर आउट हुए। इस बीच ऋषभ पंत ने नाथन लायन के खिलाफ कुछ आक्रामक शांठ जरूर खेले लेकिन वह आखिरकार लायन का ही शिकार बने। पंत ने 50 गेंदों की पारी में दो चौके और एक छक्के की मदद से 36 रन का स्कोर किया। पंत नौवें बल्लेबाज के रूप में प्वेलियन लौटे।

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन आपके रुके हुए कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए शुभ रहेगा। जो व्यक्ति संयुक्त व्यवसाय से जुड़े हुए हैं, उनके लिए भी आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा।
वृषभ: कामकाजी लोगों को आज आर्थिक लाभ मिलने का योग है। यदि आप नौकरी करते हैं तो रुकी हुई परियोजना को अक्सर मिल सकता है। आज का दिन स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा।
मिथुन: आपके गृहों की स्थिति यह रही है कि आपको रक्त से संबंधित सं मग होने की आशंका है। जीवनसाथी के साथ आज कुछ ऐसे मतभेद हो सकते हैं, जिनकी कोई खास वजह नहीं होगी।
कर्क: आज परिवार में आर्थिक रूप से उतार-चढ़ाव रह सकता है। कड़ी मेहनत और बाजार के समर्थन से घर के मुश्किलों को बड़ी मात्रा में धनराशि प्राप्त होने का योग बन रहा है।
सिंह: आज का दिन आर्थिक रूप से सामान्य रहेगा। अधिकारियों का सहयोग और बुजुर्गों का आशीर्वाद आपके लाभ का कारण बनेगा।
कन्या: आज आप अपने शत्रुओं से सावधान रहें। आय और व्यय से संबंधित मसलों पर धियाव हो सकता है। आज कालाबाजारी, धोखधड़ी या छल के माध्यम से धन-हानि की आशंका बन रही है।
तुला: आज शुक्र के प्रथम भाव में होने के कारण दिन का पूर्वार्ध परिवार में हर्ष और अमोद-प्रमोद में व्यतीत होगा। परिवार के सभी सदस्य आपकी प्रशंसा करेंगे।
वृश्चिक: आज का दिन बिगड़े हुए संबंधों के सामान्य होने का दिन है। सभी चीजें पुनः सामान्य रूप से कार्य करने लगेंगी। शादीशुदा महिलाएं सभी गलतफहमियों को दूर कर सकेंगी।
धनु: आज कुछ संदिग्ध मामलों से परेशानी हो सकती है। किसी प्रिय व्यक्ति द्वारा विश्वासघात करने से परिस्थितियां विपरीत बन सकती हैं।
मकर: आज का दिन प्रेम संबंधों के लिए अच्छा है। इस समय माता-पिता और सास-ससुर से संबंध अधिक प्रगाढ़ होंगे।
कुंभ: आज आप अपने रिश्तों के प्रति पूर्ण ईमानदारी और समर्पण का भाव रखेंगे। इससे आपके संबंधों में मजबूती आएगी। आज जिन नए रिश्तों की शुरुआत होगी, वे जीवनभर साथ निभा सकतें हैं। आप बहुत अच्छे साथी हैं। किसी अज्ञात वजह से रात्रि में कुछ समय तक परेशानी हो सकती है।
मीन: आज आप अधिक व्यस्त रह सकते हैं। व्यस्तता के कारण जीवनसाथी के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पाएंगे। अपने प्रियजनों के लिए कुछ समय निकालने की कोशिश करें। दिन के मध्य से लेकर सायंकाल तक किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का योग बन सकता है। अपनी सेहत और बच्चों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। नहीं तो धन खर्च की स्थिति आ सकती है।

इमली और लहसुन की मजेदार चटनी



इमली 100 ग्राम (1 घंटे पानी में भिगोई हुई)
एक इंच अदरक का टुकड़ा
4 से 6 लाल मिर्च
नमक स्वादानुसार
विधि-
- सबसे पहले लहसुन को छील लें और इमली के भी बीज निकाल कर इसे 1 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रख दें।
- तय समय के बाद इन दोनों चीजों को एक साथ पीस लें।
- थोड़ा सा पीसने के बाद इसमें अदरक और लाल मिर्च भी डालकर पीसें।
- तैयार है इमली और लहसुन की मजेदार चटनी।
- इसे एक कटोरी में निकालकर स्वादानुसार नमक मिलाएं।
नोट-
- आप चाहें तो इसमें राई का तड़का भी लगा सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य-19

बाएं से दाएं	नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, घोड़े की तेज चाल, तेज गति की प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. आदि की मूर्ति बनाना। बर्बादी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रिय 17. आखेटक, अरेही ऊपर से नीचे
1. हृदय, उर 2. शिष्टता, भद्रता, 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।	

1	2	3	4	5
			6	
7				
8		11	12	
13		14	15	16
		16	17	18
		18	19	
20			21	
22			23	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 18 का हल

चु	स्त	मु	सं	स्था	न
ग	म	र्दा	न	गी	त
ली	प	ना	त	न	म
	ना	ना		ज	
मा	ह	रा	सा	ज	न
न	स	ह	दे	व	म
व	म	व	न	ज	ल
ता	क	त	व	र	मी
ल	ल	क	क	र	त

सू-दोक्-19

7		1	3	
1	9		5	
		3		1
	5			3
3		2		5
		3		2
4				7
7	8	1	6	
6		7	9	1

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें श्वर्गों का एक खंड बनाता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक काल्प, काल्प और खंड में 1 से 9 तक के सभी अंक का इस्तेमाल एक बार हो कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र. 18 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6